Total No. of Printed Pages—4

1 SEM TDC HND MIL (A) 1

2015

(November)

HINDI

(Modern Indian Language)

(Arts)

Course : 101

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

*Candidates **eligible** for Internal Assessment shall answer Question Nos. **1** to **7***

Full Marks : 80

Pass Marks : 32 (Backlog) / 24 (2014 onwards)

*Candidates **not eligible** for Internal Assessment shall answer Question Nos. **1** to **8***

Full Marks : 100

Pass Marks : 40 (Backlog) / 30 (2014 onwards)

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×3=24

(क) नारायण काहे भकति करों तेरा।
मेरि पामर मनमाधव घनघन
घातुक पाप न छोड़ा॥

यत जीव जंगम कीट पतंगम
अग नग जग तेरी काया।
सबकहु मारि पूरत ओहि उदर
नाहिं करत भूत-दाया॥

अथवा

दैहिक दैविक भौतिक तापा। रामराज नहि कहुहि व्यापा॥
सब नर करहि परस्पर प्रीती। चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीती॥
चारिउ चरन धर्म जग माहीं। पुरि रहा सपनेहुँ अघ नाहीं॥
राम भगति रत नर अरु नारी। सकल परम गति के अधिकारी॥

(ख)

विस्तृत नभ का कोई कोना,
मेरा न कभी अपना होना,
परिचय इतना इतिहास यही
उमड़ी कल थी मिट आज-चली।
मैं नीर भरी दुःख की बदली!

अथवा

धर्म-ग्रंथ सब जला चुकी है
जिसके अन्तर की ज्वाला
मंदिर, मस्जिद, गिरजे—सबको
तोड़ चुका जो मतवाला
पंडित, मोमिन, पादरियों के
फंदों को जो काट चुका
कर सकती है आज उसी का
स्वागत मेरी मधुशाला।

(ग) स्त्री और पुरुष का परस्पर विश्वासपूर्वक अधिकार रक्षा और सहयोग ही तो विवाह कहा जाता है। यदि ऐसा न हो, तो धर्म और विवाह खेल हैं।

(Continued)

अथवा

सौभाग्य और दुर्भाग्य मनुष्य की दुर्बलता के नाम हैं। मैं तो पुरुषार्थ को ही सबका नियामक समझता हूँ। पुरुषार्थ ही सौभाग्य को खींच लाता है।

2. "'राम-राज्य' कविता द्वारा गोस्वामी तुलसीदास जी ने आदर्श समाज की प्रतिष्ठा करने का प्रयास किया है।" समीक्षा कीजिए।

अथवा

"'बिहारी सतसई' शृंगार, भक्ति और नीति की त्रिवेणी है।" पाठ्यांश के आधार पर विवेचना कीजिए।

3. 'वे और तुम' कविता की विशिष्टताओं को उजागर करते हुए इसका सारांश लिखिए।

अथवा

'मैं नीर भरी दुःख की बदली' कविता में छिपी पीड़ा और लोक-कल्याण की भावना का वर्णन कीजिए।

4. "'ध्रुवस्वामिनी' एक नायिका-प्रधान नाटक है।" विश्लेषण कीजिए।

अथवा

'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के किसी एक पुरुष पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

5. लक्ष्मीनाथ बैजबरुवा के बहुमुखी व्यक्तित्व एवं साहित्यिक अवदानों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

ज्योतिप्रसाद को 'रूपकुँवर' की उपाधि किस प्रकार मिली? बहुमुखी प्रतिभा के धनी ज्योतिप्रसाद आगरवाला की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(Turn Over

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 3×3=9

(क) "यह कथा ज्योति की है अंधों के माध्यम से"—कवि क्या कहना चाहता है?

(ख) "सुनत मौन है रह्यौ ठग्यौ सो, सूर सबै मति नासी॥" कवि ने यह बात किस प्रसंग में और क्यों कही है?

(ग) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का उद्देश्य क्या है?

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में दीजिए : 1×7=7

(क) 'भ्रमरगीत' का मतलब क्या है?

(ख) 'हालावाद' के प्रवर्त्तक कवि का नाम लिखिए।

(ग) लक्ष्मीनाथ बैजबरुवा का छद्म नाम क्या था?

(घ) 'शोणित कुँवरी' नाटक का असमिया में प्रथम ग्रामोफोन रिकॉर्ड किसके सहयोग से ज्योतिप्रसाद ने तैयार किया था?

(ङ) लक्ष्मीनाथ बैजबरुवा के साहित्यिक जीवन में किसका व्यापक प्रभाव पड़ा था?

(च) 'यामा' में किन काव्य-संग्रहों के गीतों का संग्रह किया गया है?

(छ) बिहारी की भाषा क्या है?

(In lieu of Internal Assessment)

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) सूरदास के 'भ्रमरगीत' काव्य की विशेषता लिखिए।

(ख) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के आधार पर मंदाकिनी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) लक्ष्मीनाथ बैजबरुवा का साहित्यिक परिचय दीजिए।

★★★